'बेमिसाल है हिंदी गजल का आधुनिकता बोध'

नई दिल्ली। वर्तमान हिंदी गजल में आधुनिकता बोध अपनी सबसे ऊंचाई पर है जो उसकी बहुत बड़ी उपलब्धि है। यह बेमिसाल है। उक्त बातें प्रसिद्ध गजलकार ज्ञानप्रकाश विवेक ने साहित्य अकादमी द्वारा आयोजित 'पुस्तकायन' पुस्तक मेले के तीसरे दिन आयोजित एक गजल संध्या के अवसर पर कही। रविवार को इस मेला में कवयित्रियों और गजलकारों ने अपनी रचनाएं प्रस्तुत की। रविवार की वजह से मेले में भारी संख्या में लोग आए।